

This question paper contains 8 printed pages.

2463

Your Roll No.

LL.B. / III Term

F

Paper LB-3032

PRIVATE INTERNATIONAL LAW

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

*(Write your Roll No. on the top immediately
on receipt of this question paper.)*

NOTE:— *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any five questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Define Private International Law and distinguish it from Public International Law. Discuss the nature and scope of private international law and explain why there is a need for unification of rules of Private International Law.

P. T. O.

प्राइवेट अन्तर्राष्ट्रीय विधि की परिभाषा लिखिए तथा सार्वजनिक अन्तर्राष्ट्रीय विधि से इसको सुभेदित कीजिये। प्राइवेट अन्तर्राष्ट्रीय विधि के स्वरूप तथा परिव्याप्ति का विवेचन कीजिये और स्पष्ट कीजिये प्राइवेट अन्तर्राष्ट्रीय विधि के नियमों के एकीकरण की आवश्यकता क्यों है। 10

2. (a) What is domicile of origin and domicile of choice? When does a person get back his domicile of origin? Refer to judicial decisions.

मूल अधिवास और वरण अधिवास क्या होता है? किसी व्यक्ति को उसका मूल अधिवास कब प्राप्त होता है? न्यायिक विनिश्चयों को निर्दिष्ट कीजिए।

- (b) (i) Govind, a married person, leaves India to settle in Canada. He purchased a house in Canada and writes to his wife in India about the said purchase. He informs her that he will soon take her to Canada. But in the meantime, after 2 years of job in Canada, Govind finds a lucrative job in Australia and he moves there. He finds Australia much better place to work and writes to his wife about the better job, perks and lifestyle in Australia. He plans to bring his family to Australia very soon. However, his wife objects to the idea of settling in Australia due to racism there. But Govind successfully persuades his wife to settle in Australia. In

Australia, till date, he has spent only 6 months.

Explain the status of domicile of choice of Govind in the above problem. Give reasons.

एक विवाहित व्यक्ति गोविन्द कनाडा में बसने के लिए भारत को छोड़ देता है। उसने कनाडा में एक घर खरीदा तथा भारत में अपनी पत्नी को उक्त क्रय के बारे में लिखा। उसने पत्नी को सूचित किया कि वह उसे जल्दी ही कनाडा ले चलेगा। किन्तु उसी दौरान, कनाडा में 2 वर्ष के जॉब के बाद गोविन्द को आस्ट्रेलिया में लाभप्रद जॉब मिल जाता है और वह वहाँ चला जाता है। उसे काम के लिहाज से आस्ट्रेलिया कहीं बेहतर जगह लगती है तथा वह अपनी पत्नी को आस्ट्रेलिया में बेहतर जॉब, परिलब्धियों और जीवन शैली के बारे में लिखता है। वह अपने परिवार को शीघ्र आस्ट्रेलिया लाने की योजना बनाता है, किन्तु उसकी पत्नी आस्ट्रेलिया में नस्लवाद होने की वजह से वहाँ बसने के विचार पर आपत्ति उठाती है। किन्तु गोविन्द पत्नी को आस्ट्रेलिया में बसने के लिए राजी करने में सफल हो जाता है। आस्ट्रेलिया में उसने आज की तारीख तक केवल 6 मास व्यतीत किए हैं।

उपर्युक्त समस्या के चलते गोविन्द के वरण आवास की प्रस्थिति को स्पष्ट कीजिए।

- (ii) After abandoning his home in State P, a man took his family to house in State R, about a

mile from State P. After depositing his belongings there, he returned to State P with a view to spend the night with a relative. He fell ill and died on that very night.

What was domicile of the person at the time of his death? Give reasons.

एक व्यक्ति P राज्य में अपना घर छोड़कर अपने परिवार को R राज्य ले गया जो P राज्य से लगभग एक मील दूर है। अपना सामान वहाँ छोड़कर वह P राज्य में अपने किसी संबंधी के यहाँ रात बिताने की दृष्टि से लौट आया। वह उसी रात बीमार पड़ गया तथा मृत्यु को प्राप्त हो गया।

उस व्यक्ति का उसकी मृत्यु के समय अधिवास क्या था? सकारण बताइए।

20

3. Discuss the theory of proper law of contract under Private International Law. Refer to decided cases.

प्राइवेट अन्तरराष्ट्रीय विधि के अन्तर्गत उपयुक्त संविदा विधि के सिद्धान्त का विवेचन कीजिये। विनिश्चित केसों को निर्दिष्ट कीजिये।

20

4. What are the theories governing Private International Law of Torts? Explain the UK and Indian positions with the help of decided cases.

अपकृत्यों की प्राइवेट अन्तरराष्ट्रीय विधि को अधिशासित करने वाले क्या सिद्धान्त हैं? विनिश्चित केसों की सहायता से यूनाइटेड किंगडम तथा भारतीय स्थितियों को स्पष्ट कीजिये। 20

5. Discuss the rules of Private International Law governing the capacity and formal validity of marriage. Refer to decided cases.

विवाह की क्षमता और औपचारिक विधिमान्यता को अधिशासित करने वाले प्राइवेट अन्तरराष्ट्रीय विधि के नियमों का विवेचन कीजिये।

6. (a) Discuss the issues under Private International Law relating to inter-country adoption. Explain the Indian position in the light of ratio propounded in *Laxmi Kant Pandey V. Union of India* (2001) 9 SCC 379.

अन्तरदेशीय दत्तक ग्रहण संबंधी प्राइवेट अन्तरराष्ट्रीय विधि के अन्तर्गत विवाहक का विवेचन कीजिए। लक्ष्मीकांत पांडे बनाम यूनियन ऑफ इंडिया (2001) 9 एस०सी०सी० 379 में प्रतिपादित अनुपात को ध्यान में रखते हुए भारतीय स्थिति की व्याख्या कीजिए।

- (b) "Jurisdiction of a court is not barred in cases involving custody and removal of a child by a parent from a foreign country to India in contravention of the orders of the court where the parties had set up their matrimonial home." Critically analyze the above proposition in the

P. T. O.

light of the judgment in *Ruchi Majoo V. Sanjeev Majoo*, AIR 2011 SC 1952.

“पक्षकारों ने जहाँ अपना दाम्पत्य गृह बसाया है वहाँ के न्यायालय के आदेशों के उल्लंघन में माता-पिता द्वारा विदेशी देश से भारत में बच्चे की अभिरक्षा करने और हटा लिए जाने संबंधी केसों में न्यायालय की अधिकारिता वर्जित नहीं है।” रुचि माजू बनाम संजीव माजू ए०आई०आर० 2011 एस०सी० 1952 में निर्णय को ध्यान में रखते हुए उपर्युक्त प्रतिपादना का समीक्षोत्तमक विश्लेषण कीजिए।

20

7. (a) Under what circumstances will the courts in India recognize and enforce the foreign judgment? Discuss in the light of statutory provisions and decided cases.

भारत में न्यायालय किन परिस्थितियों में विदेशी निर्णयों को मान्यता प्रदान तथा प्रवृत्त करेंगे? कानूनी उपबंधों तथा विनिश्चित केसों को ध्यान में रखते हुए विवेचन कीजिए।

- (b) Meera and Rajesh after marriage went to California, USA. Within few months, matrimonial fight broke out between them. Meera subsequently returns to India. In the meantime, after waiting for 6 months Rajesh files a suit for divorce there in California and gets an *ex-parte* decree, thus annulling the marriage. Subsequently, Rajesh remarries with another woman. Upon hearing this Meera files a case for bigamy in the Indian court.

Can the decree granted by the US court be recognized by the court in India?

मीरा और राजेश विवाह के बाद कैलीफोर्निया, यू०एस०ए० चले गए। कुछ महीनों में ही उनके बीच वैवाहिक लड़ाई हो गई। बाद में मीरा भारत लौट आई। इसी दौरान, छह मास तक इन्तेज़ार करने के बाद राजेश ने वहीं कैलीफोर्निया में विवाह-विच्छेद हेतु वाद फाइल कर दिया तथा एकपक्षीय डिक्री हासिल कर ली जिससे विवाह का वातिलीकरण हो गया। बाद में राजेश ने किसी अन्य महिला से पुनः विवाह कर लिया। यह सुनने पर मीरा ने भारतीय न्यायालय में द्विविवाह हेतु वाद फाइल कर दिया।

क्या यू०एस० न्यायालय द्वारा मंजूर की गई डिक्री को भारत में न्यायालय द्वारा मान्यता प्रदान की जा सकती है? सकारण उत्तर दीजिए। 20

8. Write short notes on any *two* of the following:

- (a) Domicile of Dependents
- (b) Principle of Comity of Courts under Conflict of Laws.
- (c) Forum Shopping.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:

- (a) आश्रितों का अधिवास

- (b) विधि के टकराव के अन्तर्गत न्यायालयों के सौजन्य का सिद्धान्त
- (c) फोरम शॉपिंग (Forum shopping) ।